Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 29 May 2024

Dainik Jagran Page - 02, 04

पुराने अभ्यर्थियों का गोवि को है इंतजार

बीते वर्ष के अभ्यर्थियों को बिना शुल्क के आवेदन का गोवि ने दिया है अवसर

गोरखपुर

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों के लिए एक विशेष परीक्षा कराने की योजना बना रहा है। जिसमें इनको डिग्री के लिए एक साल का इंतजार न करना पड़े। इस प्रस्ताव को परीक्षा समिति की बैठक में रखा जाएगा।

विश्वविद्यालय में इस समय सभी नियमित पाठ्यक्रमों में सेमेस्टर सिस्टम लागू है। वार्षिक परीक्षा प्रणाली में इस साल बैक/ओल्ड सप्लाय की परीक्षा आयोजित की जाती थी। सेमेस्टर सिस्टम में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। प्रैक्टिकल परीक्षा छूटने पर विद्यार्थियों को एक चांस दिया जाता है, लेकिन लिखित परीक्षा के लिए ऐसा कोई विकल्प मौजूद नहीं है। न्यायिक केयर क्रेडिट सिस्टम (सीसीएस) में यदि किसी विद्यार्थी को कैरी लगता है तो उसको प्रमोट करके अगले सेमेस्टर में चांस दिया जाता है। इसके बाद दिया सेमेस्टर (सम/विषम) में उसका चैक लगा रहता है, उसको परीक्षा देकर उसे क्लियर कर लेता है। सबसे ज्यादा समस्या अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को होती है। यदि पाठ्यक्रमक कैरी पर चौथे सेमेस्टर में उसका चैक लग जाता है तो छात्र को इसे क्लियर करने में काफी समय लग जाता है।

विषय सेमेस्टर की परीक्षा दिसंबर-जनवरी और सम सेमेस्टर की मई-जून में होती है। ऐसे में परिणाम आते-आते एक साल बीत जाते हैं, जिससे विद्यार्थियों को काफी नुकसान होता है।

बिना नेट पीएचडी करने का अंतिम मौका

यदि किसी अभ्यर्थी ने नेट उत्तीर्ण नहीं किया है तीसरा दीक्षांत समारोह तक पहला है तो उसके लिए अंतिम मौका है। सत्र 2021 की पीएचडी में प्रवेश के लिए जुलाई, 2024 में विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा। बैक पेपर के लिए जिसे परीक्षा कराना विश्वविद्यालय अनिवार्य समझता है, उसकी परीक्षा जुलाई, 2024 में आयोजित होगी।

डा. पूनम टंडन, कुलपति, दीक्षांत गोरखपुर विश्वविद्यालय

मतदान प्रतिशत बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाएं स्वयंसेवक : प्रो. पूनम

जासं, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से मंगलवार को विश्वविद्यालय परिसर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मतदाता जागरूकता रैली, गोष्ठी एवं नुक्कड़ नाटक आयोजित हुआ। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने स्वयंसेवकों को मतदान करने की शपथ दिलाई और हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

कुलपति ने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने में स्वयंसेवक अपनी भूमिका निभाते हुए सभी को जागरूक करें।

मतदान जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन ०

Amar Ujala page - 05, 07

डीडीयू : नहीं होगा अब साल बर्बाद विशेष परीक्षा से क्लियर होगा बैक

गोरखपुर विश्वविद्यालय बना रहा योजना, इसी सत्र से लागू करने की तैयारी

अंतिम वर्ष में जिन विद्यार्थियों का बैक रह जाता है, उनके लिए एक विशेष परीक्षा कराने की योजना बना रहा है। इसके लिए एकेडमिक काउंसिल की बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा।

डा. पूनम टंडन, कुलपति, दीक्षांत गोरखपुर विश्वविद्यालय

मतदान प्रतिशत बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाएं स्वयंसेवक : प्रो. पूनम

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से मंगलवार को विश्वविद्यालय परिसर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मतदाता जागरूकता रैली, गोष्ठी एवं नुक्कड़ नाटक आयोजित हुआ। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने स्वयंसेवकों को मतदान करने की शपथ दिलाई और हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

कुलपति ने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने में स्वयंसेवक अपनी भूमिका निभाते हुए सभी को जागरूक करें। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. अनुभूति दूबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तुलिका सिंह, डॉ. मनीष पांडेय, डॉ. प्रभुनाथ प्रसाद, डॉ. आशीष शुक्ला, डॉ. वंदना सिंह, डॉ. अखिल सिंह, डॉ. आलोक कुमार, डॉ. रमेश चंद्र समेत अनेक स्वयं सेवकों की उपस्थिति रही।

Inext page - 04

समर कैंप से होता है बहुमुखी विकास

GORAKHPUR (28 May): एसएस एकेडमी और अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन नई उमंग के संयुक्त सहयोग से समर कैंप का आयोजन किया गया. इसमें बच्चों और महिलाओं ने 10 दिनों तक लिए गए प्रशिक्षण की प्रस्तुति दी गई. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी की वीसी प्रो पूनम टंडन और विशिष्ट अतिथि ऐरण्ड के निदेशक अतुल सर्राफ रहे. प्रोग्राम में बच्चों ने सिंगिंग, डांसिंग, स्केटिंग की प्रस्तुति की. स्कूल के डॉयरेक्टर कनक हरि अग्रवाल और नई उमंग की अध्यक्ष कंदोई को इस तरह के कार्यक्रम आयोजन करने के लिए प्रशंसा की. कार्यक्रम में

एकेडमी की ललिता अग्रवाल सहित नई उमंग से ममता बंका, सुनैना बंका, स्मृति केडिया, बिंदु टिबरेवाल, मधु गोयंका, सावित्री जस सहित तमाम लोग उपस्थित रहे.

एसएस एकेडमी व नई उमंग द्वारा आयोजित समर कैंप का समापन मंगलवार को हुआ।

समर कैंप से बच्चों का होता है बहुमुखी विकास

गोरखपुर। एसएस एकेडमी व अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन नई उमंग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समर कैंप का समापन मंगलवार को हुआ। दिन में बच्चों-महिलाओं को विभिन्न आयोगी विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन, विशिष्ट अतिथि ऐरण्ड के निदेशक अतुल सर्राफ, नई उमंग की अध्यक्ष हनु कंदोई, सविधा सीए सोनालिया, प्रबंधक कनक अग्रवाल और प्रबंधकार्यों ही निधि अग्रवाल ने किया। प्रो पूनम टंडन ने कहा कि समर कैंप से बच्चों का बहुमुखी विकास होता है।

Hindustan Page 05

बैंक से नहीं बर्बाद होगा साल होगी कैरीओवर परीक्षा

डीडीयू

छात्रों को मिलेगा मौका

डीडीयू प्रशासन इस बात पर विचार कर रहा है कि बैक पेपर को अगले वर्ष की परीक्षा तक न रखा जाए। इसके लिए परीक्षा समिति की बैठक में रखा जाएगा।

डीडीयू में सत्र 2021-22 से ही चौथीवीपीएम पाठ्यक्रम के तहत स्नातक और परास्नातक के कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। इसके तहत एनईपी के तहत स्नातक तक पढ़ाई पूरा करने में तीन वर्ष के बजाय चार वर्ष का समय 2023-24 में निर्धारित किया गया है। इसमें परास्नातक में विद्यार्थियों को दो वर्ष तक बैक पेपर/अंक सुधार लगने पर विद्यार्थियों को दुगने समय तक परीक्षा देने का मौका मिलता था। इसके लिए विद्यार्थियों को किसी कारणवश बैक पेपर लग गया है तो उनका बहुत समय नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए परीक्षा समिति की बैठक में रखा जाएगा। यदि यह प्रस्ताव पास हो जाता है तो विद्यार्थियों को अगले वर्ष की परीक्षा तक बैक पेपर देने का मौका मिलेगा।

डा. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

Amar Ujala Select Page 04

गोरखपुर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलातीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन ।

Aaj

समर कैंप से बच्चों में होता है बहुमुखी विकास - प्रो. पूनम टंडन

एस एस एकेडमी व नई उमंग का कार्य सराहनीय- अतुल सर्राफ

पिछले साल दिया रेट तो इस बार करें निशुल्क आवेदन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शोध पात्रता परीक्षा-2023 के लिए आवेदन की प्रक्रिया चल रही है। इसमें पिछले साल परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को निशुल्क आवेदन करना है, लेकिन अब तक 56 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने आवेदन नहीं किया है। इनको आवेदन करने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से ईमेल और मैसेज किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय में 10 अगस्त 2023 को शोध पात्रता परीक्षा हुई थी। इसमें 34 विषयों के कुल 2538 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। बाद में इस परीक्षा को निरस्त कर दिया गया और अब नए शोध अभ्यर्थियों के अनुसार इसके लिए आवेदन मांगे गए हैं। सोमवार को अंतिम तिथि आठ जून है लेकिन अभी तक कुल 5266 अभ्यर्थियों ने ही आवेदन किया है। इनमें 1114 ऐसे अभ्यर्थी हैं, जिन्होंने पिछले वर्ष आवेदन किया था। इनसे शुल्क नहीं लिया जा रहा है। कुल 4152 नए आवेदन आए हैं।

रेट के लिए 1114 ने ही किया है आवेदन

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि पिछले साल के जिन अभ्यर्थियों ने आवेदन नहीं किया है उनसे ईमेल और मैसेज के जरिए संपर्क किया जा रहा है। उनसे कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा, लेकिन रेट-2023 की परीक्षा के लिए उन्हें भी आवेदन करना होगा।

Swatantra Chetna Page - 04, 05

मतदान प्रतिशत बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाएँ स्वयंसेवक: प्रो. पूनम टण्डन

मतदाता जागरूकता के लिए एनएसएस ने निकाला रैली, नुक्कड़ नाटक का हुआ आयोजन

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता रैली, गोष्ठी एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कुलपति ने स्वयंसेवकों को मतदान शपथ दिलाया और झंडा दिखाकर मतदाता जागरूकता रैली को रवाना किया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. पूनम टण्डन ने एनएसएस स्वयंसेवकों संबोधित करते हुए कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने में एनएसएस स्वयंसेवकों को अपनी भूमिका निभाते हुए सभी को जागरूक करना होगा। मतदान करना देश के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। मत प्रतिशत बढ़ाने का संकल्प लेते हुए स्वयंसेवक अपने परिवार एवं पड़ोस के लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करें।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. ओम प्रकाश सिंह ने सभी स्वयं सेवकों से शत प्रतिशत मतदान करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में अधिष्ठता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दूबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ तुलिका मिश्रा, डॉ मनीष पांडेय, डॉ प्रभुनाथ प्रसाद, डॉ आशीष शुक्ला, डॉ वंदना सिंह, डॉ अखिल मिश्र, डॉ आलोक कुमार, डॉ रमेश चंद्र समेत अनेक स्वयं सेवकों की उपस्थिति रही।

व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन का निर्णय एक कौशलः प्रो संदीप कुमार

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में इन्टर्नशिप इंटरप्रनर्सनल रिलेशनशिपऔस रिकल्स विषय पर ऑनलाइन वैल्यू एडेड कोर्स के चौथे दिन मुख्य वक्ता राम दयालू सिंह कॉलेज, मुजफ्फरपुर, की सहयुक्त आचार्य डॉ तुलिका सिंह रहीं। अपने उद्बोधन में डॉ तुलिका ने पारस्परिक संबंधों के संदर्भ में नैतिक मूल्य विषय पर अपनी बात रखी।प्रोफेसर संदीप कुमार बनारस हिंदू विश्विद्यालय ने अपनी उद्बोधन में जीवन के व्यक्तिगत और व्यावसायिक डोमेन में मानवीय संबंधों के बारे में बताया। डॉ संदीप ने बताया कि कैसे व्यक्ति व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन बनाए रख सकता है। मानव संबंधों को बनाए रखने, जीवन में समस्या समाधान और

निर्णय लेने की क्षमताओं के बारे में भी प्रकाश डाला।

संचालक के रूप में डॉ. गिरिजेश कुमार यादव ने दोनों सत्र के मुख्य वक्ता का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन किया ।

इस दौरान मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर धनंजय कुमार, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो अनुभूति दूबे मनोविज्ञान विभाग के डॉ प्रियंका गौतम, डॉ राम कीर्ति सिंह,डॉ . गरिमा सिंह व डॉ . रश्मि रानी उपस्थित रहे।

Gorakhpur Super Fast Times

मतदाता जागरूकता के लिए एनएसएस ने निकाला रैली

मतदान प्रतिशत बढ़ाने में भूमिका निभाएँ स्वयंसेवक- प्रो.पूनम टण्डन

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता रैली, गोष्ठी एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कुलपति ने स्वयंसेवकों को मतदान शपथ दिलाया और झंडा दिखाकर मतदाता जागरूकता रैली को रवाना किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो.पूनम टण्डन ने एनएसएस स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने में एनएसएस स्वयंसेवकों को अपनी भूमिका निभाते हुए सभी को जागरूक करना होगा। मतदान करना देश के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। मत प्रतिशत बढ़ाने का संकल्प लेते हुए स्वयंसेवक अपने परिवार एवं पड़ोस के लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम समन्वयक डॉ.ओम प्रकाश सिंह ने सभी स्वयं सेवकों से शत प्रतिशत मतदान करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अधिष्ठता छात्र कल्याण प्रो.अनुभूति दूबे,कार्यक्रम अधिकारी डॉ० तुलिका मिश्रा,डॉ० मनीष पांडेय, डॉ० प्रभुनाथ प्रसाद, डॉ० आशीष शुक्ला,डॉ० वंदना सिंह, डॉ० अखिल मिश्र, डॉ० आलोक कुमार, डॉ० रमेश चंद्र समेत अनेक स्वयं सेवकों की उपस्थिति रही।

डीडीयू : नहीं होगा साल बर्बाद, अब विशेष परीक्षा से क्लियर होगा बैक

इसी सत्र से लागू करने की तैयारी, अंतिम वर्ष में बैक वालों के लिए होगी विशेष परीक्षा

गोरखपुर। बैक लगने की वजह से अब अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का साल बर्बाद नहीं होगा। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ऐसे विद्यार्थियों के लिए एक विशेष परीक्षा कराने की योजना बना रहा है, जिससे इनको डिग्री के लिए एक साल का इंतजार न करना पड़े। इस प्रस्ताव को परीक्षा समिति की बैठक में रखा जाएगा।

विश्वविद्यालय में इस समय सभी नियमित पाठ्यक्रमों में सेमेस्टर सिस्टम लागू है। वार्षिक परीक्षा प्रणाली में इस साल बैक/ओल्ड सप्लाय की परीक्षा आयोजित की जाती थी। सेमेस्टर सिस्टम में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। प्रैक्टिकल परीक्षा छूटने पर विद्यार्थियों को एक चांस दिया जाता है, लेकिन लिखित परीक्षा के लिए ऐसा कोई विकल्प मौजूद नहीं है।

न्यायिक केयर क्रेडिट सिस्टम (सीसीएस) में यदि किसी विद्यार्थी को कैरी लगता है तो उसको प्रमोट करके अगले सेमेस्टर में चांस दिया जाता है। इसके बाद दिया सेमेस्टर (सम/विषम) में उसका चैक लगा रहता है, उसको परीक्षा देकर उसे क्लियर कर लेता है। सबसे ज्यादा समस्या अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को होती है। यदि पाठ्यक्रमक कैरी पर चौथे सेमेस्टर में उसका चैक लग जाता है तो छात्र को इसे क्लियर करने में काफी समय लग जाता है।

अंतिम वर्ष में होगी परीक्षा

विश्वविद्यालय की योजना है कि अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को बैक की दशा में जानकारी दी जाएगी। इसके बाद अक्टूबर-नवंबर के बीच एक विशेष परीक्षा कराई जाए। परीक्षा के शुरू होने के अंदर इनका परिणाम भी जारी कर दिया जाएगा। इससे उनका एक साल का समय बच जाएगा। परीक्षा में शामिल होने के लिए एक फीस भी देनी होगी। परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय प्रस्ताव तैयार कर रहा है। इसको पहले विद्या समिति फिर परिषद समिति से समय रखा जाएगा। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की ओर से ईमेल और मैसेज किया जा रहा है।

रेट के लिए 1114 ने ही किया है आवेदन

इन को आवेदन करने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से ईमेल और मैसेज किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय में 10 अगस्त 2023 को शोध पात्रता परीक्षा हुई थी। इसमें 34 विषयों के कुल 2538 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। बाद में इस परीक्षा को निरस्त कर दिया गया और अब नए शोध अभ्यर्थियों के अनुसार इसके लिए आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि आठ जून है लेकिन अभी तक कुल 5266 अभ्यर्थियों ने ही आवेदन किया है। इनमें 1114 ऐसे अभ्यर्थी हैं, जिन्होंने पिछले वर्ष आवेदन किया था। इनसे शुल्क नहीं लिया जा रहा है। कुल 4152 नए आवेदन आए हैं।

कॉलेज के विद्यार्थियों को लाभ : वित्तीय बैक पेपर के आयोजन ने न केवल विश्वविद्यालय परिसर, बल्कि संबद्ध कॉलेज के विद्यार्थियों को भी लाभ मिलेगा। विश्वविद्यालय से संबद्ध गोरखपुर, देवरिया और कुशीनगर में करीब 350 डिग्री कॉलेज हैं। बैक लगने की वजह से उनको भी लाभ मिलेगा। इस नीति को मुनाफार दे अपने डिग्री हासिल कर सकेंगे।

कीटों के द्वारा भी संभव है अनेक मानव रोगों का इलाज - डॉ० रवि प्रकाश मौर्य

डीडीयू के कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान में वैल्यू एडेड के पांचवे दिन विषय विशेषज्ञों ने रखे अपने विचार

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान में चल रहे वैल्यू एडेड कोर्स के पांचवें दिन कीट विज्ञान विभाग की तरफ से व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संरक्षक कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन तथा सह-संरक्षक संस्थान के निदेशक, प्रोफेसर शरद कुमार सिंह ने। व्याख्यान वैरीज के पांचवें दिन कीटों के उत्तम सेवाएं एवं कुलपतियों उपचार पर विशेषज्ञों से चर्चा की गई। मुख्य वक्ता नीचे, दिल्ली यूनिवर्सिटी प्रोफेसर, आचार्य नरेंद्र देव विश्वविद्यालय, अयोध्या के कीटों के माहत्व एवं उनसे प्राप्त उत्पाद के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कीट हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि वो

विभिन्न पत्तलों एवं फलों के पॉलिनेशन, पेस्ट कंट्रोल के लिए जैव नियंत्रण, एग्रिकल्चर फील्ड के रूप में प्रयोग के साथ-साथ भोजन के रूप में भी प्रयोग कर किया जा सकता है मधुमक्खी का उपयोग फार्मास्यूटिकल्स और मेडिसिनल इंडस्ट्रीज में भी किया जा रहा है। दूसरे सत्र के व्याख्यान में मुख्री कलिन्द, जगतगंज के डॉ० सत्य ज्ञान मिश्र , सहायक आचार्य रहे।

डॉ० मिश्र ने मधुमक्खी पालन के बारे में विस्तार जानकारी दी तथा मधुमक्खी से प्राप्त उत्पादों तथा उनके महत्वपूर्ण प्रयोग के बारे में बताया साथ-साथ मिश्र ने मधुमक्खी पालन में प्रयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे हमारे देश में मधुमक्खी पालन से प्राप्त शहद एवं मोम का उपयोग कैसमेटिक्स, आयुर्वेदिक और एलोपैथी के उत्पादों में कर सकते हैं तथा उनकी प्रौद्योगिकी को मधुमक्खी पालन से संबंधित ट्रेनिंग के बारे में तथा उसे संचालित व्यावसायिक जानकारियों भी साझा की। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ०पूनम सिंह रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ०सरोज चौहान तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ० रितेश कुमार ने किया क